

॥ गुरुआज्ञा पालन : भारो ज़वन अनुभव ॥

~ स्नेहावी पटेल (यु.अस.अ.)

ब्रह्मरूप थर्धने परब्रह्मनी साधना करवामां गुरुआज्ञानुं पालन ज़वनदोरी इप अमोघ साधन छे. वणी, ईसवीसन २०२५नुं वर्ष 'गुरुआज्ञा महिमा पर्व' तरीके डीजवीअे छीअे त्यारे पोताना ज़वनमां गुरुनी आज्ञानां पालनथी जे दिव्य अनुभव थया डीय तेना विशेना लेख 'ब्रह्मनिर्जर'मां प्रकाशित करवानां मार्गदर्शन सहगुरु संतो पासैथी प्राप्त थयां. तद्अनुसार आ वर्षनो प्रथम लेख अत्रे समाव्यो छे.

२० जून, १९८६ना रोज अमे अमेरिका देशनी धरती पर पग मूक्यो त्यारे अनुभूति कोरक अग्राण्या दूर देशमां आवी पज्यां डोईअे तेवी लती. २० वर्षनी कायी उंमरे लग्न करीने पुष्पाबा-हरिहरदादाना धरे आव्यां. वडीवोना आशीर्वाद, माता-पिताना संस्कार, पिताज धनश्यामभाईनी गुरुहरि साहेबदादा तथा प.पू. वी. अस.दादा साथेनी मित्रताना संबंधे गुरुहरि साहेबदादाअे प्रेमथी जेवां लतां तेवां स्वीकार्यां अने पोतानी छत्रछायाआपी.

अमेरिका देशमां अमारां बाणकोने आपणा संस्कार केवी रीते मणशे ? अलीं जन्मी डीछरतां बाणकोनुं भविष्य केवुं लशे ? ते वर्षमां अमने आवा प्रश्नो थता. गुरुहरि साहेबदादाअे अमारो लथ प.पू. शांतिदादाने सौंध्यो त्यारथी अंतरमां अेक लश लती के, साहेबदादाना आशीर्वाद अने शांतिदादानी प्रार्थनानुं बण ने सलारो छे ने लंमेशां रलेशे ! ज्यारे अमारां बाणको नानां लतां त्यारे गुरुहरि साहेबदादाअे अम माता-पिताने सलामां वात करी के, 'तमारां बाणको तमे कलेशो अे नलीं करे, तमे करशो अे ज करशे, माटे तमे संतो अने मंदिर साथे जेडायेवां रलेशे.' त्यारे साव सामान्य वागतुं सूचन के आज्ञाअे अत्यारे अमारां ज़वनमां बहु मोट्टे काम कर्युं छे. अमारां बाणको माटे गुरुहरि साहेबदादाअे, पू. अश्विनदादा, पू. शांतिदादा, पू. लर्षददाद अने सौ संतोअे देलनो भूब लीडो वेडयो छे, जेनां अमे ४० वर्षथी साक्षी छीअे. अमारां बाणको माटे अेलनटाउनमां मंदिर बनावी श्री डाकोरज अने संतोनुं सांनिध्य मणे तेवुं गोठवी आपवुं ते अेमनी ज कृपा ! मंदिर साथे जेडाई रलीअे तेमज अमारा स्वभावोधी उपर डीडीअे ते माटे अनंत जननी सम प्रेम कर्यो. आम, जेडेवां अेमणो ज राध्यां. अेनाथी अमारां बाणकोनां ज़वनमां शुं थयुं छे तेनी शइआत मारा डीकरा थिरवना पोते लभेवा अनुभवथी करुं छुं. थिरवनी संमतिथी अेनो लभेव अनुभव नीथे प्रमाणो छे. (थिरवनी उंमर-१६ वर्ष)

Param Pujya Sahebada has been a part of my life ever since I was born. The influence he has had on my life has made a big impact on it. When I was a young boy in elementary school, kids would make fun of me because of my race. P.P. Sahebada came to my house one winter (the first I remember). He told me to ignore these rude remarks by classmates. Instead of arguing or fighting back, he told me to do Dhun. Ever since that my

first meeting with P.P. Sahebada never once have I been sent to detention or got on in trouble, for saying or doing something negative. To this day I stay positive. I have seen some of my friends follow my methods of ignoring rude remarks; and just walking away. P.P. Sahebada has not only helped me stay out of trouble at school but he has also helped me become strong spiritually. Whenever I get free time any day of the week, I will do dhun. I consider myself very lucky, and very blessed to have met P.P. Sahebada, and to have him in my life for the rest of my life!

Jay Swaminarayan !

P.P. Sahebada Pragatya Din, 5th April 2008. Gettysburg, PA

आ डीकरो १७ वर्षे अेटले के, सन २००९मां लार्स्कूल पूरी करीने कोलेजमां लणवा गयो. कोलेजना पलेवा वर्षमां साथे लणवा कोरक मित्रअे जे वजत कल्युं के, 'याव पार्टीमां जईअे.' कोलेजनी पार्टीमां घणुा बधा छोकराओ लता. ज्यां अेवुं भावा-पीवानुं लतुं के जे लगवान अने गुरुनी आज्ञाथी विरुद्ध लई ज़ाय. परंतु, अंने वजत थिरव ते जेईने त्यांथी नीकणी ज गयो. थिरव कले छे के, 'में मारा मित्रने कल्युं के, This is not for me !' अंनेवार अेना नीकण्या पछी पार्टीमां पोलीस आवी अने २१ वर्षथी नीथेनी उंमरनां बाणकोने त्याथी लई गयां अने आ गुनानी इरियाद नौंघाई-जे पोलीस रिकॉर्डमां डायमी रले. ज्यारे थिरवे धरे आवीने वात करी त्यारे तो अमने जबर पडी. पण छेले ते ओल्यो के, 'मद्यपान करवानी आपणा लगवाननी मनाई छे माटे ते आपणा माटे वर्जित ज छे !' मने विचार आव्यो के, संतोअे आ बाणकोने प्रेम आपी तेमना ज़वनमां केवा अदभुत संस्कार सींथ्या छे !' ज्यारे थिरव लणवा गयो त्यारे अमे अने अेम कल्युं लतुं के, कंई पणु करे तो विचार करजे के आ साहेबदादाने गमशे ? साहेबदादाने नलीं गमे ते नथी करवुं ! अने तेवी ज आज्ञा संतोअे पणु करी लती. 'आज्ञा लेणी मूर्ति आवे' अे डायटे थिरवना ज़वनमां काम थयुं. गुरुहरि साहेबदादाअे असल्य ईच्छानां मूण ज काढी दीयां. अेवा गुरुहरिना अमे जन्मोजन्म ऋणी छीअे अने रलीशुं.

वंदन सल जय स्वामिनारायण !